भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

24.07.2024 के

अतारांकित प्रश्न सं. 357 का उत्तर

यात्री रेलों में भीड़-भाड़

357. श्री के. राधाकृष्णन:
श्री विशालदादा
श्री प्रकाशबापू पाटील:
श्री एंटो एनटोनी:
श्री सप्तगिरी शंकर उलाका:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) 2019 से भारतीय रेलों में यात्री यातायात के आंकड़ों का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) यात्री रेलों में भीड़-भाड़ की लगातार समस्या के समाधान के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं;

(ग) क्या सरकार ने कम किराए वाली यात्री रेलगाड़ियों की संख्या या उनकी क्षमता कम कर दी है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ङ) क्या सरकार भीड़-भाड़ की समस्या से निपटने के लिए यात्री रेलगाड़ियों में नए डिब्बे जोड़ने की योजना बना रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

s.k

यात्री रेलों में भीड़-भाड़ के संबंध में दिनांक 24.07.2024 को लोक सभा में श्री के. राधाकृष्णन, श्री विशालदादा, श्री प्रकाशबापू पाटील, श्री एंटो एनटोनी और श्री सप्तगिरी शंकर उलाका के अतारांकित प्रश्न सं. 357 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ङ): कोविड-19 महामारी के कारण वर्ष 2019 से 2024 तक यात्री यातायात में काफी भिन्नता थी। भारतीय रेल विभिन्न संरचना के साथ विभिन्न प्रकार की नियमित समय-सारणी वाली गाड़ियों जैसे उपनगरीय, कम दूरी की यात्री गाड़ियों, लंबी दूरी/मेल एक्सप्रेस/सुपरफास्ट गाड़ियों का परिचालन करती है जिनसे विभिन्न वर्गों के यात्रियों की आवश्यकताओं की पूर्ति होती है। मौजूदा नीति के अंतर्गत मेल/एक्सप्रेस रेलगाड़ियों की संरचना के संबंध में 22 डिब्बों की गाड़ी संरचना में 12 (बारह) सामान्य श्रेणी और स्लीपर श्रेणी के गैर-वातानुकूलित रेलडिब्बों और 08 (आठ) वातानुकूलित रेलडिब्बों का प्रावधान है, जिससे सामान्य और गैर-वातानुकूलित स्लीपर कोच के यात्रियों को अधिक स्थान मिलता है। इस समय गाड़ी सेवाओं के परिचालन के लिए उपयोग किए जा रहे कुल सवारी डिब्बों में से दो-तिहाई गैर-वातानुकूलित और एक-तिहाई वातानुकूलित हैं। इसके अतिरिक्त, भारतीय रेल ने अमृत भारत गाड़ी सेवाओं का परिचालन भी शुरू कर दिया है जो यात्रियों को उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएं प्रदान करने वाली पूर्ण रूप से गैर-वातानुकूलित रेलगाड़ियां हैं।

इसके अलावा, भारतीय रेल त्यौहारों, छुट्टियों आदि के दौरान विशेष रेलगाड़ी सेवाओं का परिचालन करके और अतिरिक्त मांग को पूरा करने के लिए स्थायी और अस्थायी दोनों आधार पर गाड़ियों में डिब्बों की संख्या बढ़ाकर यात्रियों के लिए अतिरिक्त स्थान मुहैया कराने का निरंतर प्रयास करती है। ये भारतीय रेल पर चालू प्रक्रियाएं हैं। बढ़ी हुई मांग को ध्यान में रखते हुए, भारतीय रेल में सामान्य श्रेणी और शयनयान श्रेणी के सवारी डिब्बों सहित 10,000 गैर-वातानुकूलित सवारी डिब्बों के विनिर्माण की योजना बनाई है।

*****

s.k